

- झमता से अधिक लीमी को अपने साथ वाहन में ना बिठाये।
- चलती गाड़ी में फोन पर बात-चीत न करें।

### → पैदल चलने वालों की जिम्मेदारी ←

- पैदल सड़क पर चलने वालों को हमेशा सड़क के बायीं तरफ चलना चाहिए।
- बच्चों के साथ सड़क पर चल रहे हैं तो उन्हें अपने बायीं तरफ रखें।
- सड़क पर करते समय सफेद रंग की जैसा क्रॉसिंग का प्रयोग करें।
- ग्रीन सिग्नल होने पर ही सड़क पार करें।
- कौड़कर कभी भी सड़क पार न करें।

### → बच्चों के माँ-बाप की जिम्मेदारी ←

बच्चों के माँ-बाप की जिम्मेदारी है कि अपने बच्चों को गाड़ी की चाली तभी दें जब वे 18 साल के हो जाय और उसका लायसेंस बन जाय।

अक्सर देखा गया है कि 18 साल के उम्र के होने से पहले ही लायसेंस के बिना वाहन चलाते हैं जोकि सड़क हादसों की निमंत्रण देता है।

“जान भली की  
गाड़ी भली,  
सड़क कहती की  
सुरक्षा भली।”



Topic .....

Date .....

→ स्कूलों में बच्चों को जागरूक करना ←

स्कूलों में चाहिए कि पढ़ने वाले बच्चों को यातायात के नियमों के बारे में पढ़ाया जाए और उन्हें जागरूक किया जाए। ऐसा करने से आगे चलकर सड़क के नियमों और उनके पालन की लेकर काफी जन-जागृति आएगी।

“आजी सिलकर करें  
सड़क सुरक्षा का विस्तार,  
यातायात नियमों का  
की प्रचार।”

सरकार को सड़क हादसों को रोकने के लिए कई नियम और कानून बनाने की जरूरत है। जिन लोगों को यातायात के नियम का पालन ना करने की आदत सी पड़ गई उन्हें समझाना असंभव है।

अतः सरकार को ट्रैफिक से जुड़े कई नियम बनाएं और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए।

अगर हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझ जाये और एक जिम्मेदार नागरिक की तरह सड़क के नियमों का पालन करे तो सड़क पर जो दुर्घटनाएँ होती हैं उन में निश्चित रूप से कमी आएगी।

“जन जन का  
बे नारा है,  
सड़क सुरक्षा नियम  
का अपनाना है।”

सड़क के नियमों का लोगों से सरलता से पालन कराना चाहिए। नियमों को तोड़ने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने की जरूरत है। अगर कोई व्यक्ति बार-बार ट्रैफिक के नियमों

मोटरसाइकल और स्कूटर -वालों को हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए, कार-वालों को कार-चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। इसके साथ ही यातायात के जो नियम हैं उनका पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करना चाहिए।

यही नियम सड़क पर चलने वालों पर भी लागू होता है, उन्हें भी हमेशा जेब्रा क्रॉसिंग पर चलकर ही सड़क पार करनी चाहिए और हमेशा सड़क पर बायीं तरफ चलना चाहिए।

तो आइये हम सब मिलकर सड़क और यातायात के नियमों का पालन करें और अपने जीवन की रक्षा करें।

**“यातायात नियमों को  
अपनायें,  
सड़क यात्रा को सुरक्षित  
बनायें।”**

अगर हमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है तो पहले हमें एक जिम्मेदार व्यक्ति बनना होगा, हमें यातायात के नियमों का पालन करना होगा।

सड़क पर होने वाले हादसों में अगर हमें कमी लाना है तो कुछ बातों का हमें ध्यान रखना जरूरी है :-

→ वाहन-चालक की जिम्मेदारी ←

- दुपहिया वाहन-चलाने वाले जब भी घर से गाड़ी लेकर निकलें तो हेलमेट अवश्य पहले ही पहनें और कार-चालक हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करें।
- गाड़ी की रफ्तार हमेशा उतनी रखें जितनी आप नियंत्रित कर सकें, तेज चलाने से बचें।

6.8/10

# सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा

Kinnaul

नाम - अन्जु नेह

निबंध (2) (1)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कल्याण प्रथम स्थान

सड़क सुरक्षा के नियमों का करो सम्मान,  
दुर्घटनाओं में न गवाओं अपनी जान।

आज के दिनों में सड़क दुर्घटनाएं, चींटें और  
मौतें बहुत आम हो गई हैं। सड़क पर ऐसी  
दुर्घटनाओं का मुख्य कारण लोगों द्वारा सड़क  
यातायात नियमों और सड़कों सुरक्षा उपायों की  
अनदेखी है। हमें यह समझना चाहिए कि  
सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा का दूसरा नाम है।  
सड़क सुरक्षा का मतलब है कि सुरक्षित तरीके  
से सड़क पर चलना, यानी खुद को सड़कों  
पर होने वाली किसी भी प्रकार की दुर्घटनाओं  
से सुरक्षित रखना। यह अनुमान है कि हर  
साल सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1 मिलियन  
लोग मारे जाते हैं। हमें सड़कों पर सुरक्षित  
रहने के लिए कुछ नियमों का पालन करने  
की आवश्यकता है। इन नियमों को सड़क  
सुरक्षा नियम कहा जाता है।

विकासशील देशों में सड़क दुर्घटनाएं प्रतिदिन

Kinnaul

होती रहती है। खुद को सुरक्षित और चोट से चोट मुक्त रखने के लिए हमें निम्नलिखित सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए :

- हमें हमेशा फुटपाथों पर चलना चाहिए।
- हमें यातायात संकेतों का पालन करना चाहिए। अगर हम गाड़ी चला रहे हैं, तो सिग्नल ग्रीन होने पर ही हमें ड्राइव करना चाहिए।
- हमें जैव्रा क्रॉसिंग पर ही सड़क पार करनी चाहिए।
- सड़क पार करते समय, हमें अपनी बाएं और दाएं ओर देखना चाहिए कि हमारे रास्ते में कोई भी चलने वाले वाहन तो नहीं हैं।
- बच्चों को हमेशा अपने बड़ी के द्वारा सड़क पार करवानी चाहिए।
- हमें सड़क पर चलते समय फोन पर बात नहीं करनी चाहिए।
- हमें चलते वाहन के अंदर या बाहर हाथ या खेलना, कूदना नहीं चाहिए।
- हमें चलते वाहन के अंदर जोर से बात नहीं करनी चाहिए। इससे ड्राइवर परेशान हो सकता है और सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

**सड़क दुर्घटनाओं के कारण :** विकासशील देशों में यह मुद्दा अधिक महत्वपूर्ण है । स्पीड ब्रेकिंग के कारण गंभीर चींटें आती हैं । अन्य कारक जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं वे हैं चालक की बीमारी या थकान, नशे में गाड़ी चलाना, वाहन का ब्रेक फेल होना या स्टीयरिंग फेल होना और खराब सड़कें । किसी वाहन में क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर चलाना भी सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है ।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है । यह हमें सड़कों पर चलने या सुरक्षित रूप से चलने में मदद करता है । यहां तक कि एक वाहन के अंदर सवारी करते समय, हमें सुरक्षित यात्रा के लिए सुरक्षा नियमों का पालन करना जरूरी है, कहा गया है -

**सड़क सुरक्षा नियमों का करीं सम्मान,  
न होंगी दुर्घटना, न होंगी आप परेशान ।**

धरती पर हर एक इंसान के द्वारा सड़क सुरक्षा पर पूरा ध्यान देना चाहिए चाहे वो वाहन का इस्तेमाल करता हो या नहीं । बड़ों के मार्गदर्शन की कमी के कारण